सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-282
28/06/2017

हमें समाज में एकता और प्रेम का भाव बनाये रखना है :– मुख्यमंत्री

पटना, 28 जून 2017 :– आज अंजुमन इस्लामिया में जमीअत उलेमा–ए–हिन्द बिहार के तत्वावधान में आयोजित ईद मिलन समारोह में मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार शामिल हुये। इस अवसर पर समारोह को संबोधित करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि सबसे पहले मैं जमीअत उलेमा–ए–हिन्द बिहार के अध्यक्ष का शुक्रिया अदा करता हूँ कि उन्होंने ईद मिलन समारोह में मुझे फिर याद किया। कई साल इस कार्यक्रम में आने का मौका मिला है। उन्होंने कहा कि आज नशामुक्ति पर अन्तर्राष्ट्रीय दिवस का आयोजन किया गया है। बिहार में मुस्तैदी से शराबबंदी लागू है। इसे नशामुक्ति की तरफ ले जाना है। दूसरे तरह के मादक पदार्थों के सेवन से लोगों की जिन्दगी बर्बाद होती है। इसके विरूद्ध जन जागृति लाने के लिये कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रमजान का महीना काफी पावित्र है। रमजान के महीने में रोजा रखकर रोजेदार एक तरह की तपस्या करते हैं। लोग अपने ऊपर नियंत्रण एवं संयम रखते हैं, यह बड़ी बात है। रमजान के दौरान रोजा रखने से सबके चेहरे पर खुशी दिखती है। रोजेदार रोजा रखते हुये अपना काम भी करते हैं, यह एक तरह की तपस्या है। उन्होंने कहा कि ईद के दिन लोग एक दूसरे से गले मिलते हैं। यह समाज में प्रेम और भाईचारा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि आज समाज में सबसे बड़ी जरूरत है आपस में प्रेम और भाईचारा का। लोगों के बीच आपस में प्रेम और भाईचारा का भाव रहेगा तो हमारा देश आगे बढ़ता रहेगा। हमें समाज में एकता और प्रेम का भाव बनाये रखना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हर धर्म और मजहब के लोग शराबबंदी के पक्ष में हैं। शराबबंदी सभी धर्म और मजहब के लोगों को जोड़ती है। उन्होंन कहा कि शराबबंदी का असर काफी अच्छा हुआ है। पहले माहौल हमेशा झगड़ा–झंझट का रहता था, आज माहौल में शांति है। उन्होंने कहा कि हम पूरे समाज को नशामुक्त करना चाहते हैं। हम जब तक हैं, तब तक इससे डिगेगे नहीं। सबको मिलकर इस पर काम करना है। सिर्फ सरकारी तंत्र से कामयाबी नहीं मिलेगी, सबका सहयोग जरूरी है। उन्होंने कहा कि 21 जनवरी को नशामुक्ति अभियान के तहत बनायी गयी मानव श्रृंखला में चार करोड़ से अधिक लोगों ने भाग लिया था। हर धर्म एवं मजहब के लोग इसमें शामिल हुये थे। उन्होंने कहा कि यह कुदरती चीज है कि कुछ लोग इसका विरोध करेंगे। हम उनको समझाने का काम करते हैं। उन्होंन कहा कि शराबबंदी से समाज में कितना बदलाव आया है। अपराध की संख्या घटी है, दुर्घटना की घटनाओं में कमी आयी है। आज घर–घर का माहौल बदल गया है, लोगों का पैसा बच रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इसके अलावा हम समाज में सुधार लाने के लिये बाल विवाह और दहेज प्रथा के विरूद्ध भी सशक्त अभियान चलायेंगे। उन्होंने कहा कि बाल विवाह का बहुत बुरा परिणाम हो रहा है। बिहार में नाटेपन की समस्या बढ़ रही है, जिसका एक प्रमुख कारण बाल विवाह है। उसी तरह दहेज पहले अमीर लोगों के बीच था, अब दहेज का प्रचलन सभी वर्गों में हो गया है। इससे मुक्ति दिलाना जरूरी है। मुख्यमंत्री ने लोगों से अपील की कि दहेज लेन–देन वाली शादी में शामिल न हों। उन्होंने कहा कि समाज को बदलने के लिये तथा समाज में अच्छा माहौल बनाने के लिये हम हमेशा प्रयास करते रहेंगे। शराबबंदी के

संबंध में मुख्यमंत्री ने कहा कि दो महीना पूर्व केरल में इसाई समाज के लोगों ने शराबबंदी के कार्यक्रम में बुलाया था। शराबबंदी को लेकर हमेशा तर्क दी जाती है कि पर्यटकों की संख्या में गिरावट आयेगी। मैंने सबको यह साफ बताया है कि शराबबंदी के बाद बिहार में आने वाले घरेलू पर्यटकों की संख्या में 68 प्रतिशत तथा विदेशी पर्यटकों की संख्या में 9 प्रतिशत की वृद्धि हुयी है। उन्होंने कहा कि आज हर जगह से शराबबंदी के लिये आवाज उठने लगी है। यह बहुत बड़ी चीज है। उन्होंने कहा कि हमारा जनता की सेवा का कमिटमेंट बरकरार रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष मॉनसून लेट हो गया है। आप सभी दुआ कीजिये कि बारिश हो। बिहार में 76 प्रतिशत लोग खेती पर निर्भर हैं। उन्होंने कहा कि हमने हमेशा कहा है कि राज्य के खजाने पर पहला अधिकार संकट पीड़ितों का है।

इस अवसर पर जमीअत उलेमा–ए–हिन्द के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी, महासचिव जमीअत उलेमा–ए–हिन्द मौलाना हुस्न अहमद कादरी, नाजिम एमारत–ए–शरिया मौलाना अनीसुर्रहमान कासमी, विधायक श्री श्याम रजक, पूर्व सांसद डॉ0 एजाज अली, पूर्व विधान पार्षद असलम आजाद, पूर्व विधान पार्षद श्री गुलाम गौस सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

******